प्रकाश मनु के
श्रेष्ठ
बाल नाटक

प्रकाश मनु

प्रकाश मनु

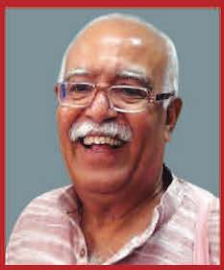

सुप्रसिद्ध साहित्यकार, संपादक और बच्चों के प्रिय लेखक।

मूल नाम : चंद्रप्रकाश विग।

12 मई, 1950 को शिकोहाबाद (उ.प्र.) में जनमे प्रकाश मनु के लीक से हटकर लिखे गए उपन्यासों 'यह जो दिल्ली है', 'कथा सर्कस', 'पापा के जाने के बाद' की जबरदस्त चर्चा हुई। इसी तरह कहानी और कविताओं का अपना एक अलग रंग। अभी हाल में प्रकाशित आत्मकथा का पहला खंड, 'मैं मनु' तथा 'यादें घर-आँगन की' (संस्मरण) पुस्तक भी काफी सराही गई। 'यादों का कारवाँ' में हिंदी के शीर्ष साहित्यकारों के संस्मरण। साहित्य अकादेमी के लिए देवेंद्र सत्यार्थी और विष्णु प्रभाकर पर मोनोग्राफ। सत्यार्थी जी की संपूर्ण जीवनी 'देवेंद्र सत्यार्थी : एक सफरनामा' प्रकाशन विभाग से प्रकाशित। बाल साहित्य की विभिन्न विधाओं में डेढ़ सौ से अधिक पुस्तकें, जिन्हें बच्चे ही नहीं, बड़े भी खोज.खोजकर पढ़ते और सराहते हैं।

हिंदी में बाल साहित्य का पहला बृहत् इतिहास 'हिंदी बाल साहित्य का इतिहास' लिखा, जो स्वयं में मील के पत्थर सरीखा ऐतिहासिक कार्य है। इसके अलावा 'हिंदी बाल कविता का इतिहास', 'हिंदी बाल साहित्य के शिखर व्यक्तित्व', 'हिंदी बाल साहित्य के निर्माता', 'हिंदी बाल साहित्य : मेरे कुछ साक्षात्कार' और 'हिंदी बाल साहित्य : नई चुनौतियाँ और संभावनाएँ' पुस्तकें भी। कई महत्त्वपूर्ण संपादित पुस्तकें और संचयन। कई पुस्तकों का पंजाबी, सिंधी, मराठी, गुजराती, कन्नड़ समेत अन्य भारतीय भाषाओं में अनुवाद।

पुरस्कार : बाल उपन्यास 'एक था ठुनठुनिया' पर साहित्य अकादेमी का पहला बाल साहित्य पुरस्कार। उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान के 'बाल साहित्य भारती पुरस्कार' और हिंदी अकादमी के 'साहित्यकार सम्मान' से सम्मानित। कविता. संकलन 'छूटता हुआ घर' पर प्रथम गिरिजाकुमार माथुर स्मृति पुरस्कार।

पता : 545, सेक्टर-29, फरीदाबाद-121008 (हरियाणा)

मो : 098106-02327 • **ई-मेल** : prakashmanu333@gmail.com

₹ 200.00

ISBN 978-93-93091-23-9

लिटिल बर्ड पब्लिकेशंस

नई दिल्ली

फोन : 99682-88050, 82879-88726

प्रकाश मनु के श्रेष्ठ बाल नाटक

प्रकाश मनु के श्रेष्ठ बाल नाटक

प्रकाश मनु

लिटिल बर्ड पब्लिकेशंस

लिटिल बर्ड पब्लिकेशंस

I.S.B.N # 978-93-93091-23-9

4637/20, शॉप नं.-एफ-5, प्रथम तल, हरि सदन,

अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली-110002

मो.: 9968288050, 9911866239

ई-मेल: littlebirdinfo21@gmail.com

प्रथम संस्करण : 2023

© प्रकाश मनु

मूल्य : ₹ 200/-

आवरण चित्र : ककसाड़ टीम

मुद्रक : क्लासिक प्रिंटर्स, दिल्ली

इस पुस्तक के किसी भी अंश को किसी भी माध्यम में प्रयोग करने के लिए लेखक/प्रकाशक से लिखित अनुमति लेना अनिवार्य है।

‘पराग’ पत्रिका के यशस्वी संपादक
आनंदप्रकाश जैन जी को याद करते हुए,
जिन्होंने बच्चों के लिए
हास्य-विनोद से भरे
बड़े अद्‌भुत नाटक लिखे।

ये रंग-बिरंगे बाल नाटक

लो बच्चो, तुम्हारे लिए एक से एक मजेदार, खिलंदड़े और रंग-बिरंगे नाटकों का यह खूबसूरत गुलदस्ता, जिसमें तुम्हारी जिंदगी के अजब-अनोखे रंग बिखरे हुए हैं, और ऐसी मस्ती भी कि इन्हें पढ़ते हुए तुम्हारे होंठों पर एक मीठी-सी, चुलबुली मुसकान आ जाएगी।

यों इन नाटकों में जीवन के विविध रंग, विविध दृश्य हैं, तुम्हारे अपने विभिन्न मूड्स भी। तुम्हारे छोटे-छोटे सुख-दुःख, उलझनें, ऊहापोह और समस्याएँ भी। थोड़ी मस्ती, थोड़ा हास्य-विनोद और चुहल भी। थोड़ी शरारतें भी। पर साथ ही साथ थोड़ी सीख भी, जो तुम्हारी उलझनों को सुलझाएगी, मुश्किलों में तुम्हें सहारा देगी, और कहीं भटकोगे तो आगे बढ़कर सही राह भी दिखाएगी।

सच पूछो तो विचार और भावनाओं की एक पूरी रंग-रँगीली दुनिया है इनमें, जहाँ पहुँचकर तुम्हें बहुत कुछ नया-नया नजर आएगा। बहुत से कौतुक भरे अद्‌भुत दृश्य भी। इसलिए इन नए-निराले नाटकों को पढ़ते हुए, खूब मस्ती और रोमांच से भरकर, तुम अपने आपको खूब ताजा और भरा-पूरा महसूस करोगे।

मेरे चुनिंदा श्रेष्ठ नाटकों के इस संग्रह में कुछ नाटक तो ऐसे मजेदार हैं, जिन्हें पढ़ते हुए तुम हँसते-हँसते लोटपोट हो जाओगे। पर साथ ही कुछ ऐसे नाटक भी हैं, जो तुम्हें हाथ पकड़कर संजीदगी से अपनी और अपने आसपास की समस्याओं को देखने-समझने के लिए साथ ले चलेंगे। इन्हें पढ़कर तुम्हें लगेगा कि इस देश और दुनिया को सँवारने और सुंदर बनाने के लिए तुम भी तो बहुत कुछ कर सकते हो। तुम्हारे हाथ बेशक छोटे सही। पर मन में